विधानसभा अध्यक्ष ने किया तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

कानपुर । सीएसए के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में आज तीन दिवसीय (18 से 20 अक्टूबर 2024) ष्मृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबंधन द्वारा सतत कृषि एवं आजीविका सुरक्षाष विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन हुआ। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना एवं अन्य अतिथियों द्वारा विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने तीन दिवसीय संगोष्ठी की सफलता हेतु सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न प्रांतो से आए कृषि वैज्ञानिक मृदा,जल की समस्याओं और उनके निराकरण पर चर्चा करेंगे। जिससे खेती बाड़ी और नए आयाम हासिल करेगी। उन्होंने उपस्थित शोध छात्रों से आवाहन किया कि वे अपनी सुविधा अनुसार गांव में कृषकों के साथ कृषि

तकनीकी पर चर्चा करें, तो निश्चित तौर पर कृषक छात्रों की भावनाओं को समझेंगे, उन्होंने शोध छात्रों से कहा की नई तकनीक से अद्यतन रहे क्योंकि रोज प्रतिदिन नए–नए नवाचार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषकों के मध्य कृषि नवाचारों के जागरूकता का परिणाम है कि कृषकों की आय में वृद्धि हुई है। कुलपति टाटा आनंद कुमार सिंह ने कहा कि देश में आईसीएआर के 100 से अधिक संस्थानों ,77 कृषि विश्वविद्यालयों तथा 731 कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से कृषकों को नावों में ऐसी तकनीकी से ओतप्रोत किया जा रहा है। जिससे उनकी आमदनी में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कृषि विविधीकरण, सरकारी नीतियों की जानकारी तथा नई सिंचाई पद्धतियों के अपनाने तथा मृदा क्षरण रोकने जैसे उपायों पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि करनाल संस्थान के निदेशक डॉ आरके यादव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों एवं कृषको को सम्मानित भी किया गया। एससीएसआई के अध्यक्ष डॉक्टर टीवीएस राजपूत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा समिति की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम आयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने तीन दिवसीय संगोष्ठी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर कौशल कुमार द्वारा दिया गया। जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर विनीता सिंह द्वारा किया गया।इस अवसर पर डॉ एस एस ग्रेवाल पूर्व निदेशक पी ए यू लुधियाना, डॉक्टर नीलम पटेल नीति आयोग सहित देश के विभिन्न प्रांतो के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक, छात्र एवं किसान उपस्थित रहे।

कृषि नवाचारों से बढ़ी किसानों की आयः महाना

विधानसभा अध्यक्ष ने किया तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में आज तीन दिवसीय (18 से 20 अक्टूबर 2024) मृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबंधन द्वारा सतत कृषि एवं आजीविका सुरक्षा विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन हुआ। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना एवं अन्य अतिथियों द्वारा विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने तीन दिवसीय संगोष्ठी की सफलता हेतु सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न प्रांतों से आए कृषि वैज्ञानिक मृदा,जल की समस्याओं और उनके निराकरण पर चर्चा करेंगे। जिससे खेती बाड़ी और नए आयाम हासिल करेगी। उन्होंने उपस्थित शोध छात्रों से आवाहन किया कि वे अपनी

● कार्यक्रम आयोजक डॉ. मुनीश कुमार ने तीन दिवसीय संगोष्ठी के बारे में विस्तार से दी जानकारी

सुविधा अनुसार गांव में कृषकों के साथ कृषि तकनीकी पर चर्चा करें, तो निश्चित तौर पर कृषक छात्रों की भावनाओं को समझेंगे, उन्होंने शोध छात्रों से कहा की नई तकनीक से अद्यतन रहे क्योंकि रोज प्रतिदिन नए-नए नवाचार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषकों के मध्य कृषि नवाचारों के जागरूकता का परिणाम है कि कृषकों की आय में वृद्धि हुई है। कुलपति टाटा आनंद कुमार सिंह ने कहा कि देश में आईसीएआर के 100 से अधिक संस्थानों, 77 कृषि विश्वविद्यालयों तथा 731 कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से कृषकों को नावों में ऐसी तकनीकी से ओतप्रोत किया जा रहा है। जिससे उनकी आमदनी में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कृषि विविधीकरण, सरकारी नीतियों की जानकारी तथा नई सिंचाई पद्धतियों के अपनाने तथा मृदा क्षरण रोकने जैसे उपायों पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि करनाल संस्थान के निदेशक डॉ आरके यादव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों एवं कृषकों को सम्मानित भी किया गया। एससीएसआई के अध्यक्ष डॉक्टर टीवीएस राजपूत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा समिति की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम आयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने तीन दिवसीय संगोष्ठी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर कौशल कुमार द्वारा दिया गया। जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर विनीता सिंह द्वारा किया गया।

इस अवसर पर डॉ एस एस ग्रेवाल पूर्व निदेशक पी ए यू लुधियाना, डॉक्टर नीलम पटेल नीति आयोग सहित देश के विभिन्न प्रांतो के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक, छात्र एवं किसान उपस्थित रहे।

954 कर्मचारियों को मिला एसीपी का तोहफा

कानपुर (अमर भारती)। नगर निगम में कार्यरत एवं सेवानिवृत कर्मचारियों को लंबे समय से एसीपी का लाभ नहीं मिल पा रहा था। लगभग 2 वर्षों से पत्राचारों के बाद सभी संगठनों के लंबे प्रयास से वर्तमान नगर आयुक्त सुधीर कुमार द्वारा कार्मिक विभाग के अधिकारी, समस्त संबंधित लिपिको द्वारा तैयार किए गए पत्रावली में लगाए गए लिस्ट के अनुसार समस्त संवर्गों के कर्मचारियों की एसीपी 954 पत्रावलियों पर 18 अक्टूबर 2024 को हस्ताक्षर कर उपरोक्त कर्मचारियों को दीपावली का तोहफा प्रदान किया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश चालक कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनोद कुमार एवं समस्त कर्मचारी ने नगर आयुक्त एवं कार्मिक विभाग के संबंधित लिपिको को धन्यवाद व आभार व्यक्त किया।

सीएसए में तीन दिवसीय
राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ शुभारंभ

(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में तीन दिवसीय (18 से 20 अक्टूबर 2024) 'मृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबंधन द्वारा सतत कृषि एवं आजीविका सुरक्षा' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन हुआ। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन प्रदेश के मा. विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना एवं अन्य अतिथियों द्वारा विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया गया इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न प्रांतो से आए कृषि वैज्ञानिक मृदा,जल की समस्याओं और उनके निराकरण पर चर्चा करेंगे। जिससे खेती बाड़ी और नए आयाम हासिल करेगी। कुलपति टाटा आनंद कुमार सिंह ने कहा कि देश में आईसीएआर के 100 से अधिक संस्थानों, 77 कृषि विश्वविद्यालयों तथा 731 कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से कृषकों को नावों में ऐसी तकनीकी से ओतप्रोत किया जा रहा है। जिससे उनकी आमदनी में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कृषि विविधीकरण, सरकारी नीतियों की जानकारी तथा नई सिंचाई पद्धतियों के अपनाने तथा मृदा क्षरण रोकने जैसे उपायों पर बल दिया।

मौसम
अधिकतम तापमान 33 .c
27 .c न्यूनतम तापमान
बाजार
सोना 73.840g
चांदी 87.000 kg
सेंसेक्स 81,053.19

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

04 कानूनों से नही रुकेगा पराली का जलना, सबसे ज्यादा किसानों को ही होगा इससे नुकसान

फिल्म दो पत्ती किस के किरदार को

वर्ष :10 अंक :253 लखनऊ से प्रकाशित लखनऊ , शनिवार, 19 अक्टूबर 2024 पृष्ठ : 08

विधानसभा अध्यक्ष ने किया तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

कानपुर , सीएसए के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में आज तीन दिवसीय (18 से 20 अक्टूबर 2024) रमृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबंधन द्वारा सतत कृषि एवं आजीविका सुरक्षार विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन हुआ।इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना एवं अन्य अतिथियों द्वारा विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया गया।इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने तीन दिवसीय संगोष्ठी की सफलता हेतु सभी को शुभकामनाएं दी।उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न प्रांतो से आए कृषि वैज्ञानिक मृदा,जल की समस्याओं और उनके निराकरण पर चर्चा करेंगे।जिससे खेती बाड़ी और नए आयाम हासिल करेगी।उन्होंने उपस्थित शोध छात्रों से आवाहन किया कि वे अपनी सुविधा अनुसार गांव में कृषकों के साथ कृषि तकनीकी पर चर्चा करें, तो निश्चित तौर पर कृषक छात्रों की भावनाओं को समझेंगे, उन्होंने शोध छात्रों से कहा की नई तकनीक से अद्यतन रहे क्योंकि रोज प्रतिदिन नए-नए नवाचार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषकों के मध्य कृषि नवाचारों के जागरूकता का परिणाम है कि कृषकों की आय में वृद्धि हुई है।कुलपति टाटा आनंद कुमार सिंह ने कहा कि देश में आईसीएआर के 100 से अधिक संस्थानों ,77 कृषि विश्वविद्यालयों तथा 731 कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से कृषकों को नावों में ऐसी तकनीकी से ओतप्रोत किया जा रहा है।जिससे उनकी आमदनी में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कृषि विविधीकरण, सरकारी नीतियों की जानकारी तथा नई सिंचाई पद्धतियों के अपनाने तथा मृदा क्षरण रोकने जैसे उपायों पर बल दिया।

राष्ट्रीय
सहारा

कानपुर • शनिवार • 19 अक्टूबर • 2024

'शोध छात्र किसानों से कृषि तकनीक पर करें चर्चा'

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में शुक्रवार को तीन दिवसीय मृदा जल एवं ऊर्जा प्रबंधन द्वारा सतत कृषि एवं आजीविका सुरक्षा विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन हुआ। संगोष्ठी का उद्घाटन विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया।

सीएसए में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ

सीएसए कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय मृदा जल एवं ऊर्जा प्रबंधन कार्यशाला के दौरान पुस्तक का विमोचन करते विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह व अन्य। फोटो : एसएनबी

मुख्य अतिथि सतीश महाना ने कहा कि इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न प्रांतों से आए कृषि वैज्ञानिक मृदा, जल की समस्याओं और उनके निराकरण पर चर्चा करेंगे। जिससे खेती बाड़ी और नए आयाम हासिल करेगी। उन्होंने उपस्थित शोध छात्रों से आवाहन किया कि वे अपनी सुविधा अनुसार गांव में कृषकों के साथ कृषि तकनीकी पर चर्चा करें तो निश्चित तौर पर कृषक छात्रों की भावनाओं को समझेंगे। उन्होंने शोध छात्रों से कहा की नई तकनीक से अवगत रहें क्योंकि रोज प्रतिदिन नए-नए नवाचार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषकों के मध्य कृषि नवाचारों के जागरूकता का परिणाम है कि कृषकों की आय में वृद्धि हुई है। कुलपति आनंद कुमार सिंह ने कहा कि देश में आईसीएआर के 100 से अधिक संस्थानों, 77 कृषि विश्वविद्यालयों एवं 731 कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से कृषकों को खेती में ऐसी तकनीकी से ओतप्रोत किया जा रहा है। जिससे उनकी आमदनी में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कृषि विविधीकरण, सरकारी नीतियों की जानकारी एवं नई सिंचाई पद्धतियों के अपनाने और मृदा क्षरण रोकने जैसे उपायों पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि करनाल संस्थान के निदेशक डॉ. आरके यादव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों एवं कृषकों को सम्मानित भी किया गया। एसबीएसआई के अध्यक्ष डॉ. टीबीएस राजपूत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं समिति की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम आयोजक डॉ. मुनीश कुमार ने तीन दिवसीय संगोष्ठी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापन डॉ. कौशल कुमार ने दिया गया।

कृषकों के साथ कृषि तकनीक पर चर्चा करें शोधार्थी

वैज्ञानिकों व कृषकों को किया गया सम्मानित

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 18 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में आज तीन दिवसीय (18 से 20 अक्टूबर 2024) मृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबंधन द्वारा सतत कृषि एवं आजीविका सुरक्षा विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उदघाटन करते हुए उत्तर प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहाकि देश के विभिन्न प्रांतो से आए कृषि वैज्ञानिक मृदा, जल की समस्याओं और उनके निराकरण पर चर्चा करेंगे। जिससे खेती बाड़ी और नए आयाम हासिल करेगी। उन्होंने शोध छात्रों से आह्वान किया कि वे अपनी सुविधा अनुसार गांव में कृषकों के साथ कृषि तकनीकी पर चर्चा करें, कृषक छात्रों की भावनाओं को समझेंगे। उन्होंने शोध छात्रों से कहा की नई तकनीक से अद्यतन रहे क्योंकि रोज प्रतिदिन नए-नए नवाचार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषकों के मध्य कृषि नवाचारों के जागरूकता का परिणाम है कि कृषकों की आय में वृद्धि हुई है। सीएसए के कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि देश में आईसीएआर के 100 से अधिक संस्थानों ,77 कृषि विश्वविद्यालयों तथा 731 कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से कृषकों को नावों में ऐसी तकनीकी से ओतप्रोत किया जा रहा है। जिससे उनकी आमदनी में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कृषि विविधीकरण, सरकारी नीतियों की जानकारी तथा नई सिंचाई पद्धतियों के अपनाने तथा मृदा क्षरण रोकने जैसे उपायों पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि करनाल संस्थान के निदेशक डॉ आरके यादव ने अपना व्याख्यान दिया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों एवं कृषको को सम्मानित भी किया गया। एससीएसआई के अध्यक्ष डॉक्टर टीवीएस राजपूत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा समिति की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम आयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने तीन दिवसीय संगोष्ठी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर डॉ एस एस ग्रेवाल पूर्व निदेशक पी ए यू लुधियाना, डॉक्टर नीलम पटेल नीति आयोग सहित देश के विभिन्न प्रांतो के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक, छात्र एवं किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापन डा. कौशल कुमार और संचालन डा. विनीता सिंह ने किया।

पुस्तक का विमोचन करते विस अध्यक्ष सतीश महाना, कुलपति व अन्य।

उत्तराखंड,मध्य-प्रदेश,उत्तर-प्रदेश,राजस्थान,बिहार,महाराष्ट,गुजरात,संघ प्रदेश,से एक साथ प्रसारित

हिन्दी दैनिक

RNI NO - UTTHIN/2018/76731

गांव देहात की खबर,शहर पर भी नजर

दि ग्राम टुडे

मौसम

अधि.	15	सूर्योदय: 7:31
न्यून.	06	सूर्यास्त: 5:27

शनिवार, 19 अक्टूबर 2024

वर्ष: 06 अंक: 303 | पेज: 08, मूल्य: 2 रूपये

Email : thegramtodayeditor@gmail.com

सीएसए में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ शुभारंभ

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में आज तीन दिवसीय (18 से 20 अक्टूबर 2024) "मृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबंधन द्वारा सतत कृषि एवं आजीविका सुरक्षा" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन हुआ। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन प्रदेश के मा. विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना जी एवं अन्य अतिथियों द्वारा विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने तीन दिवसीय संगोष्ठी की सफलता हेतु सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न प्रांतों से आए कृषि वैज्ञानिक मृदा,जल की समस्याओं और उनके निराकरण पर चर्चा करेंगे। जिससे खेती बाड़ी और कर आसान हासिल करेंगी। उन्होंने उपस्थित शोध छात्रों से आवाहन किया कि वे अपनी सुविधा अनुसार गांव में कृषकों के साथ कृषि तकनीकी पर चर्चा करें, तो निश्चित तौर पर कृषक छात्रों की भावनाओं को समझेंगे, उन्होंने शोध छात्रों से कहा की नई तकनीक से अवगत रहे क्योंकि रोज प्रतिदिन नए-नए नवाचार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषकों के मध्य कृषि नवाचारों के जागरूकता का परिणाम है कि कृषकों की आय में वृद्धि हुई है। कुलपति टाटा आनंद कुमार सिंह ने कहा कि देश में आईसीएआर के 100 से अधिक संस्थानों ,77 कृषि विश्वविद्यालयों तथा 731 कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से कृषकों को गांवों में ऐसी तकनीकी से ओतप्रोत किया जा रहा है। जिससे उनकी आमदनी में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कृषि विविधीकरण, सरकारी नीतियों की जानकारी तथा नई सिंचाई पद्धतियों के अपनाने तथा मृदा क्षरण रोकने जैसे उपायों पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि करनाल संस्थान के निदेशक डॉ आरके यादव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों एवं कृषकों को सम्मानित भी किया गया। एससीएसआई के अध्यक्ष डॉक्टर टीबीएस राजपूत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा समिति की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम आयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने तीन दिवसीय संगोष्ठी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर कौशल कुमार द्वारा दिया गया। जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर विनीता सिंह द्वारा किया गया इस अवसर पर डॉ एम एस ढेवाल पूर्व निदेशक पी ए यू लुधियाना, डॉक्टर नीलम पटेल नीति आयोग सहित देश के विभिन्न प्रांतों के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक, छात्र एवं किसान उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 109 कानपुर, शनिवार 19 अक्टूबर 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

विधानसभा अध्यक्ष ने किया तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

कानपुर । सीएसए के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में आज तीन दिवसीय (18 से 20 अक्टूबर 2024) मृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबंधन द्वारा सतत कृषि एवं आजीविका सुरक्षा विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन हुआ। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना एवं अन्य अतिथियों द्वारा विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने तीन दिवसीय संगोष्ठी की सफलता हेतु सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न प्रांतो से आए कृषि वैज्ञानिक मृदा,जल की समस्याओं और उनके निराकरण पर चर्चा करेंगे। जिससे खेती बाड़ी और नए आयाम हासिल करेगी। उन्होंने उपस्थित शोध छात्रों से आवाहन किया कि वे अपनी सुविधा अनुसार गांव में कृषकों के साथ कृषि तकनीकी पर चर्चा करें, तो निश्चित तौर पर कृषक छात्रों की भावनाओं को समझेंगे, उन्होंने शोध छात्रों से कहा की नई तकनीक से अद्यतन रहे क्योंकि रोज

प्रतिदिन नए-नए नवाचार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषकों के मध्य कृषि नवाचारों के जागरूकता का परिणाम है कि कृषकों की आय में वृद्धि हुई है। कुलपति टाटा आनंद कुमार सिंह ने कहा कि देश में आईसीएआर के 100 से अधिक संस्थानों ,77 कृषि विश्वविद्यालयों तथा 731 कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से कृषकों को नावों में ऐसी तकनीकी से ओतप्रोत किया जा रहा है। जिससे उनकी आमदनी में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कृषि विविधीकरण, सरकारी नीतियों की जानकारी तथा नई सिंचाई पद्धतियों के अपनाने तथा मृदा क्षरण रोकने जैसे उपायों पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि करनाल संस्थान के निदेशक डॉ आरके यादव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों एवं कृषको को सम्मानित भी किया गया। एससीएसआई के अध्यक्ष डॉक्टर टीवीएस राजपूत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा समिति की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम आयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने तीन दिवसीय संगोष्ठी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर कौशल कुमार द्वारा दिया गया। जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर विनीता सिंह द्वारा किया गया।इस अवसर पर डॉ एस एस ग्रेवाल पूर्व निदेशक पी ए यू लुधियाना, डॉक्टर नीलम पटेल नीति आयोग सहित देश के विभिन्न प्रांतो के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक, छात्र एवं किसान उपस्थित रहे।

सत्य का असर समाचार पत्र

19,10,2024, jksingh hardoi agmail com मोबाइल नंबर 9956834016

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

सीएसए में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ शुभारंभ

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में आज तीन दिवसीय (18 से 20 अक्टूबर 2024) "मृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबंधन द्वारा सतत कृषि एवं आजीविका सुरक्षा" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन हुआ। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन प्रदेश के मा. विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना जी एवं अन्य अतिथियों द्वारा विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश के मा.विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना जी ने तीन दिवसीय संगोष्ठी की सफलता हेतु सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न प्रांतो से आए कृषि वैज्ञानिक मृदा,जल की समस्याओं और उनके निराकरण पर चर्चा करेंगे। जिससे खेती बाड़ी और नए आयाम हासिल करेगी। उन्होंने उपस्थित शोध छात्रों से आवाहन किया कि वे अपनी सुविधा अनुसार गांव में कृषकों के साथ कृषि तकनीकी पर चर्चा करें, तो निश्चित तौर पर कृषक छात्रों की भावनाओं को समझेंगे, उन्होंने शोध छात्रों से कहा की नई तकनीक से अद्यतन रहे क्योंकि रोज प्रतिदिन नए-नए नवाचार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषकों के मध्य कृषि नवाचारों के जागरूकता का परिणाम है कि कृषकों की आय में वृद्धि हुई है। कुलपति टाटा आनंद कुमार सिंह ने कहा कि देश में आईसीएआर के 100 से अधिक संस्थानों ,77 कृषि विश्वविद्यालयों तथा 731 कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से कृषकों को नावों में ऐसी तकनीकी से ओतप्रोत किया जा रहा है। जिससे उनकी आमदनी में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कृषि विविधीकरण, सरकारी नीतियों की जानकारी तथा नई सिंचाई पद्धतियों के अपनाने तथा मृदा क्षरण रोकने जैसे उपायों पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि करनाल संस्थान के निदेशक डॉ आरके यादव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों एवं कृषकों को सम्मानित भी किया गया। एससीएसआई के अध्यक्ष डॉक्टर टीवीएस राजपूत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा समिति की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम आयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने तीन दिवसीय संगोष्ठी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर कौशल कुमार द्वारा दिया गया। जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर विनीता सिंह द्वारा किया गया।इस अवसर पर डॉ एस एस ग्रेवाल पूर्व निदेशक पी ए यू लुधियाना, डॉक्टर नीलम पटेल नीति आयोग सहित देश के विभिन्न प्रांतो के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक, छात्र एवं किसान उपस्थित रहे।

rni no uphin47232

उपदेश टाइम्स

कानपुर से प्रकाशित एवं कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, गोण्डा, जौनपुर, फिरोजाबाद, जालौन उई, कन्नौज, फर्रुखाबाद, एटा से प्रसारित

मूल्य रू0 2.00 | कानपुर,शनिवार 19 अक्टूबर,2024 | (Email: updeshtimesn

दिया कि शहर में किसी प्रकार आचसूचना लागू हो चुकी है और आदेश दिए गए है।

सीएसए में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ शुभारंभ

उपदेश टाइम्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में आज तीन दिवसीय (18 से 20 अक्टूबर 2024) ह्लमृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबंधन द्वारा सतत कृषि एवं आजीविका सुरक्षाह्व विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन हुआ। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन प्रदेश के मा. विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना जी एवं अन्य अतिथियों द्वारा विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश के मा.विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने तीन दिवसीय संगोष्ठी की सफलता हेतु सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न प्रांतो से आए कृषि वैज्ञानिक मृदा,जल की समस्याओं और उनके निराकरण

पर चर्चा करेंगे। जिससे खेती बाड़ी और नए आयाम हासिल करेगी। उन्होंने उपस्थित शोध छात्रों से आवाहन किया कि वे अपनी सुविधा अनुसार गांव में कृषकों के साथ कृषि तकनीकी पर चर्चा करें, तो निश्चित तौर पर कृषक छात्रों की भावनाओं को समझेंगे, उन्होंने शोध छात्रों से कहा की नई तकनीक से अद्यतन रहे क्योंकि रोज प्रतिदिन नए-नए नवाचार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषकों के मध्य कृषि नवाचारों के जागरूकता का परिणाम है कि कृषकों की आय में वृद्धि हुई है। कुलपति टाटा आनंद कुमार सिंह ने कहा कि देश में आईसीएआर के 100 से अधिक संस्थानों ,77 कृषि विश्वविद्यालयों तथा 731 कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से कृषकों को नावों में ऐसी तकनीकी से ओतप्रोत किया जा रहा है। जिससे उनकी आमदनी में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कृषि विविधीकरण, सरकारी नीतियों की जानकारी तथा नई सिंचाई पद्धतियों के अपनाने तथा मृदा क्षरण रोकने जैसे उपायों पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि करनाल संस्थान के निदेशक डॉ आरके यादव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों एवं कृषको को सम्मानित भी किया गया। एससीएसआई के अध्यक्ष डॉक्टर टीवीएस राजपूत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा समिति की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम आयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने तीन दिवसीय संगोष्ठी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर कौशल कुमार द्वारा दिया गया। जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर विनीता सिंह द्वारा किया गया।इस अवसर पर डॉ एस एस ग्रेवाल पूर्व निदेशक पी ए यू लुधियाना, डॉक्टर नीलम पटेल नीति आयोग सहित देश के विभिन्न प्रांतो के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक, छात्र एवं किसान उपस्थित रहे।

कृषि नवाचारों से बढ़ी किसानों की आयः महाना

विधानसभा अध्यक्ष ने किया तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में आज तीन दिवसीय (18 से 20 अक्टूबर 2024) मृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबंधन द्वारा सतत कृषि एवं आजीविका सुरक्षा विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन हुआ। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना एवं अन्य अतिथियों द्वारा विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने तीन दिवसीय संगोष्ठी की सफलता हेतु सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न प्रांतों से आए कृषि वैज्ञानिक मृदा,जल की समस्याओं और उनके निराकरण पर चर्चा करेंगे। जिससे खेती बाड़ी और नए आयाम हासिल करेगी। उन्होंने उपस्थित शोध छात्रों से आवाहन किया कि वे अपनी

● कार्यक्रम आयोजक डॉ. मुनीश कुमार ने तीन दिवसीय संगोष्ठी के बारे में विस्तार से दी जानकारी

सुविधा अनुसार गांव में कृषकों के साथ कृषि तकनीकी पर चर्चा करें, तो निश्चित तौर पर कृषक छात्रों की भावनाओं को समझेंगे, उन्होंने शोध छात्रों से कहा की नई तकनीक से अद्यतन रहे क्योंकि रोज प्रतिदिन नए-नए नवाचार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषकों के मध्य कृषि नवाचारों के जागरूकता का परिणाम है कि कृषकों की आय में वृद्धि हुई है। कुलपति टाटा आनंद कुमार सिंह ने कहा कि देश में आईसीएआर के 100 से अधिक संस्थानों, 77 कृषि विश्वविद्यालयों तथा 731 कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से कृषकों को नावों में ऐसी तकनीकी से ओतप्रोत किया जा रहा है। जिससे उनकी आमदनी में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कृषि विविधीकरण, सरकारी नीतियों की जानकारी तथा नई सिंचाई पद्धतियों के अपनाने तथा मृदा क्षरण रोकने जैसे उपायों पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि करनाल संस्थान के निदेशक डॉ आरके यादव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों एवं कृषकों को सम्मानित भी किया गया। एससीएसआई के अध्यक्ष डॉक्टर टीवीएस राजपूत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा समिति की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम आयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने तीन दिवसीय संगोष्ठी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर कौशल कुमार द्वारा दिया गया। जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर विनीता सिंह द्वारा किया गया।

इस अवसर पर डॉ एस एस ग्रेवाल पूर्व निदेशक पी ए यू लुधियाना, डॉक्टर नीलम पटेल नीति आयोग सहित देश के विभिन्न प्रांतो के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक, छात्र एवं किसान उपस्थित रहे।

954 कर्मचारियों को मिला एसीपी का तोहफा

कानपुर (अमर भारती)। नगर निगम में कार्यरत एवं सेवानिवृत कर्मचारियों को लंबे समय से एसीपी का लाभ नहीं मिल पा रहा था। लगभग 2 वर्षों से पत्राचारों के बाद सभी संगठनों के लंबे प्रयास से वर्तमान नगर आयुक्त सुधीर कुमार द्वारा कार्मिक विभाग के अधिकारी, समस्त संबंधित लिपिको द्वारा तैयार किए गए पत्रावली में लगाए गए लिस्ट के अनुसार समस्त संवर्गों के कर्मचारियों की एसीपी 954 पत्रावलियों पर 18 अक्टूबर 2024 को हस्ताक्षर कर उपरोक्त कर्मचारियों को दीपावली का तोहफा प्रदान किया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश चालक कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनोद कुमार एवं समस्त कर्मचारी ने नगर आयुक्त एवं कार्मिक विभाग के संबंधित लिपिको को धन्यवाद व आभार व्यक्त किया।

आज का कानपुर

हिन्दी दैनिक

उड़ानों का शहर

सीएसए में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ शुभारंभ

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में आज तीन दिवसीय (18 से 20 अक्टूबर 2024) मृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबंधन द्वारा सतत कृषि एवं आजीविका सुरक्षा विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन हुआ इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना एवं अन्य अतिथियों द्वारा विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया गया इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने तीन दिवसीय संगोष्ठी की सफलता हेतु सभी को शुभकामनाएं दी उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न प्रांतो से आए कृषि वैज्ञानिक मृदा,जल की समस्याओं और उनके निराकरण पर चर्चा करेंगे। जिससे खेती बाड़ी और नए आयाम हासिल करेगी उन्होंने उपस्थित शोध छात्रों से आवाहन किया कि वे अपनी सुविधा अनुसार गांव में कृषकों के साथ कृषि तकनीकी पर चर्चा करें, तो निश्चित तौर पर कृषक छात्रों की भावनाओं को समझेंगे, उन्होंने शोध छात्रों से कहा की नई तकनीक से अद्यतन रहे क्योंकि रोज प्रतिदिन नए-नए नवाचार हो रहे हैं उन्होंने कहा कि कृषकों के मध्य कृषि नवाचारों के जागरूकता का परिणाम है कि कृषकों की आय में वृद्धि हुई है कुलपति टाटा आनंद कुमार सिंह ने कहा कि देश में आईसीएआर के 100 से अधिक संस्थानों, 77 कृषि विश्वविद्यालयों तथा 731 कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से कृषकों को नावों में ऐसी तकनीकी से ओतप्रोत किया जा रहा है। जिससे उनकी आमदनी में बढ़ोतरी हुई है उन्होंने कृषि विविधीकरण, सरकारी नीतियों की जानकारी तथा नई सिंचाई पद्धतियों के अपनाने तथा मृदा क्षरण रोकने जैसे उपायों पर बल दिया विशिष्ट अतिथि करनाल संस्थान के निदेशक डॉ आरके यादव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों एवं कृषको को सम्मानित भी किया गया। एससीएसआई के अध्यक्ष डॉक्टर टीवीएस राजपूत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा समिति की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी कार्यक्रम आयोजक डॉक्टर मुनीश कुमार ने तीन दिवसीय संगोष्ठी के बारे में विस्तार से जानकारी दी इस अवसर पर वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर कौशल कुमार द्वारा दिया गया। जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर विनीता सिंह द्वारा किया गया इस अवसर पर डॉ एस एस ग्रेवाल पूर्व निदेशक पीएयू लुधियाना, डॉक्टर नीलम पटेल नीति आयोग सहित देश के विभिन्न प्रांतो के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक, छात्र एवं किसान उपस्थित रहे।

विज्ञानियों से बोले महाना- किसानों के साथ मिलकर करें नवाचार

- सीएसए में एससीएसआइ की तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन शुरू
- मृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबंधन से सतत कृषि एवं आजीविका सुरक्षा पर हो रही चर्चा
- किसानों ने तालाबों के पुनर्जीवन को बताया भविष्य की खेती के लिए समाधान

सीएसए कृषि विश्वविद्यालय के कैलास भवन में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में स्मारिका का विमोचन करते विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना (मध्य में) साथ में आरके यादव, कुलपति आनंद कुमार सिंह, डा. टीवीएस राजपूत और डा. मुनीश कुमार (बाएं से) • जागरण

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में शुक्रवार से शुरू मृदा संरक्षण सोसायटी आफ इंडिया (एससीएसआइ) की 32वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि व विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कृषि विज्ञानियों और युवाओं से कहा कि वह किसानों के साथ मिलकर कृषि नवाचार करें। संगोष्ठी में विभिन्न प्रांतों से आए कृषि विज्ञानी मौजूद हैं जो मृदा, जल की समस्याओं और उनके निराकरण पर चर्चा करेंगे। इससे भविष्य की खेती की दिशा तय होगी लेकिन विज्ञानियों के ज्ञान को पुस्तकों से निकलकर किसानों के खेतों तक पहुंचाने की जरूरत है। संगोष्ठी में आए किसानों ने कहाकि खेतों की उर्वरकता, जल एवं ऊर्जा तीनों का प्रबंधन केवल तालाबों के पुनर्जीवन से ही किया जा सकता है।

तीन दिवसीय मृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबंधन द्वारा सतत कृषि एवं आजीविका सुरक्षा की राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन विधानसभा अध्यक्ष ने अन्य अतिथियों के साथ दीप जलाकर किया। उन्होंने शोध छात्रों से आह्वान किया कि वे अपनी सुविधा अनुसार गांव में किसानों के साथ खेती और तकनीकी पर चर्चा करें। कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने कृषि विविधीकरण और नई सिंचाई पद्धतियों के अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर खेतों से मिट्टी का कटाव रोक दिया जाए और खरपतवार पर रोक लगा दें तो मौजूदा कृषि उत्पादन बढ़ाने के साथ ही किसानों का नुकसान भी कम किया जा सकता है। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषि विज्ञानियों व किसानों को सम्मानित भी किया गया। एससीएसआइ अध्यक्ष डा. टीवीएस राजपूत, आयोजक डा. मुनीश कुमार ने संगोष्ठी के उद्देश्यों की चर्चा की। कृषि विज्ञानियों की पुस्तकों का विमोचन भी मुख्य अतिथि ने किया। इस अवसर पर डा. एस एस ग्रेवाल, नीति आयोग की डा. नीलम पटेल, डा. कौशल कुमार उपस्थित रहे।

जीवाणु खादों से होगा ऊसर सुधार

राष्ट्रीय संगोष्ठी में गंगा के मैदानी इलाके में ऊसर सुधार संबंधी चर्चा के दौरान कृषि विज्ञानी संजय अरोरा ने बताया कि यूपी में 13 लाख हेक्टेयर ऊसर ग्रस्त भूमि है। जिप्सम की अनुपलब्धता के कारण किसानों को ऊसर भूमि सुधार का मौका नहीं मिल पाया। ऐसे किसानों के लिए तीन उपाय किए गए हैं। लवण सहनशील प्रजातियों का विकास किया गया है जिससे ऊसर खेतों में भी अच्छी फसल पाई जा सकती है। दूसरे उपाय के तौर पर ऐसे जीवाणु विकसित किए गए हैं जो खेत में मौजूद लवण को खा जाते हैं। इससे पौधों को शक्ति मिलती है और ऊसर घटने लगता है। तीसरा उपाय पयार को खेत में सड़ा देने का है। इसके तहत फसल अवशेष को गलाने के लिए डीकंपोजर तैयार किया गया है। कृषि विज्ञान केंद्रों पर यह सभी सुविधाएं किसानों को दी जा रही हैं।

किसानों ने विज्ञानियों को दिखाई राह

सतत खेती में मृदा, जल और ऊर्जा बचाने के उपायों की चर्चा करने जुटे विज्ञानियों को किसानों ने तालाब पुनर्जीवन का मंत्र दिया। चंद्रशेखर आजाद विश्वविद्यालय कृषक समिति के अध्यक्ष बाबू सिंह ने खेती के पुराने तरीकों को सराहा और कहा कि ऊर्जा व जल बचाने के लिए पारंपरिक साधनों को आधुनिक बनाने की जरूरत है। समिति के उपाध्यक्ष समर सिंह भदौरिया ने कहाकि पहले खेतों से लेकर गांव तक जगह-जगह तालाब थे। वर्षा का पानी बहकर तालाबों में एकत्रित होता था। इससे खेतों की सिंचाई भी होती थी और उनमें नमी भी रहती थी। इससे सिंचाई में ऊर्जा का कम प्रयोग होता था और खेतों की मिट्टी का कटाव नहीं होता था। इससे मृदा संरक्षण भी हो रहा था।

अमर उजाला 19/10/2024

डॉ. ...लीप ...परीक्षाओं ...है। ब्यूरो

शोध को सरल भाषा में किसानों तक पहुंचाएं

कानपुर। कृषि वैज्ञानिक अपने शोध को सरल भाषा में किसानों तक पहुंचाने का काम करें। शोध को किताबों या सोशल मीडिया के माध्यम से उन तक पहुंचाएं। यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कैलास भवन सभागार में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कही। उन्होंने कहा कि कृषि स्टार्टअप किसानों की समस्याओं को समझ कर उनका समाधान स्टार्टअप के माध्यम से निकालें।

सीएसए की राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोले विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना

मृदा, जल एवं ऊर्जा प्रबंधन की मदद से सतत कृषि एवं आजीविका सुरक्षा विषय पर आयोजित संगोष्ठी का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने शुभारंभ किया। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि वैज्ञानिकों की टीम शोध व नवाचार कर किसानों की समस्याओं को खत्म किया जा रहा है।

विवि में हरीशचंद्र रिसर्च केंद्र का उद्घाटन

कानपुर। सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज में हरीशचंद्र रिसर्च केंद्र का शुक्रवार को उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि आईआईटी कानपुर के प्रो. अपर्णा धर, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च बेंगलुरू के प्रो. सीएस अरविंदा, प्रो. टीएन त्रिवेदी और विवि के रजिस्ट्रार डॉ. अनिल कुमार यादव ने शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन सीडीसी निदेशक प्रो. आरके द्विवेदी और डॉ. अंजू दीक्षित ने किया। मुख्य वक्ता प्रो. अरविंदा ने हरीशचंद्र के जीवन गाथा के बारे में जानकारी दी। (ब्यूरो)

आयोजक डॉ. मुनीश कुमार ने कहा कि संगोष्ठी के तीन दिन में मंथन के दौरान जो भी निष्कर्ष निकलेंगे, उसे राज्य व केंद्र सरकार को सौंपा जाएगा। अतिथियों ने वैज्ञानिकों की लिखी पुस्तकों का विमोचन भी किया। संचालन डॉ. विनीता सिंह ने किया। कार्यक्रम में डॉ. एसएस ग्रेवाल, डॉ. नीलम पटेल ने भी जानकारी दी। ब्यूरो

हिंदुस्तान 19/10/2024

समस्याएं समझ करें नवाचार

कानपुर। किसानों के साथ मिलकर समस्याओं को समझने की जरूरत है। इस काम में विवि व शिक्षण संस्थान में माध्यम बन सकते हैं। यह बात विस अध्यक्ष सतीश महाना ने कही। कहा, वैज्ञानिक रिसर्च को सरल भाषा में संगोष्ठी व किताबों के माध्यम से किसानों तक पहुंचाएं। सीएसए में राष्ट्रीय संगोष्ठी का महाना व कुलपति डॉ. आनंद सिंह ने शुभारंभ किया। कुलपति ने कहा आईसीएआर के 100 से अधिक संस्थान, 77 कृषि विवि और 731 कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से वैज्ञानिकों की टीम शोध व नवाचार कर किसानों की समस्याओं को खत्म किया जा रहा है।